# काले तूफ़ान का दिन

कैंडिस रैनसम

चित्र: लॉरी हार्डन

# काले तूफ़ान का दिन

कैंडिस रैनसम

चित्र: लॉरी हार्डन

## लेखक का नोट

दक्षिणी मैदानी राज्यों को, अमेरिका के अन्न भंडार के रूप में जाना जाता है. समतल भूमि और बहुत कम पेड़, इस इलाके को हज़ारों एकड़ गेहूँ और मकई जैसे अन्य अनाज उगाने के लिए आदर्श बनाते हैं. पहले, किसान घोड़ों की मदद से ज़मीन जोतते थे और अपनी फ़सल काटते थे. 1920 के दशक के दौरान, ट्रैक्टरों ने घोड़ों की जगह ले ली. हलों ने मैदानी घास और अन्य पौधों को काट दिया जो हमेशा मैदानों में उगते थे और मिट्टी को बांधकर रखते थे. जल्द ही 100,000,000 एकड़ मैदानी ज़मीन, कृषि भूमि बन गई.

1931 में, दक्षिणी मैदानी इलाकों में सूखा पड़ा. पश्चिमी कंसास और टेक्सास और ओक्लाहोमा के कुछ हिस्सों में महीनों तक बारिश नहीं हुई. खेतों में फ़सलें सूख गईं. जैसे ही तेज़ हवा, सूखे खेतों में चली तो उससे धूल-मिट्टी उड़ने लगी. किसी को इस बात का एहसास नहीं हुआ कि देशी घासों ने मिट्टी को अपनी जगह पर बांधे रखा था. धूल के तूफ़ानों ने आसमान में टनों महीन मिट्टी उड़ाई. 1935 के वसंत में, इन "काले बर्फानी तूफ़ानों" ने लगभग दो सप्ताह तक खेतों को तबाह किया.

10 वर्षीय ऑरी जेनकिंस और उनकी सौतेली बहन मिल्ड्रेड असली पात्र नहीं हैं, लेकिन वे "ब्लैक संडे" से बचने वाले बच्चों में ज़रूर हो सकते थे. यह 1930 के दशक तक चले सूखे के लंबे वर्षों के दौरान यह सबसे भयानक तूफ़ान था.

**रविवार, 14 अप्रैल, 1935**

**दक्षिण-पश्चिमी कंसास**

**सुबह 8:00 बजे**

ऑरी जेनकिंस ने अपने चेहरे से कपड़ा हटाया.

उसने अपने कंबल से धूल झाड़ी.

काले कण रेतीले फर्श पर जम गए थे.

खिड़कियों की झिरियों में चीथड़े भरे गए थे,

लेकिन फिर भी धूल हमेशा अंदर आती रही.

10 वर्षीय बच्चा धूल को अपने नाक में

जाने से रोकने के लिए अपने चेहरे पर

नम कपड़ा रखकर सोता था.

ऑरी ने कपड़े पहने और अपने कमरे से बाहर निकला.
हॉल की धूल पर बूट के निशानों से उसे पता चला कि
उसके सौतेले पिता पहले से ही बाहर थे.
ऑरी के पिता की कई साल पहले मृत्यु हो गई थी.
पिछले क्रिसमस पर ऑरी की माँ ने
डैन पैटरसन से शादी की थी.
फिर वो मिस्टर पैटरसन के फार्म पर रहने आए थे.
ऑरी को अपने सौतेले पिता पसंद थे,
लेकिन वह चाहता था कि काश उसकी
सौतेली बहन के बजाय उसका एक सौतेला भाई होता.
सात साल की लड़कियाँ ज़्यादा मज़ेदार नहीं होतीं,
ऑरी ने रसोई में जाते हुए सोचा.
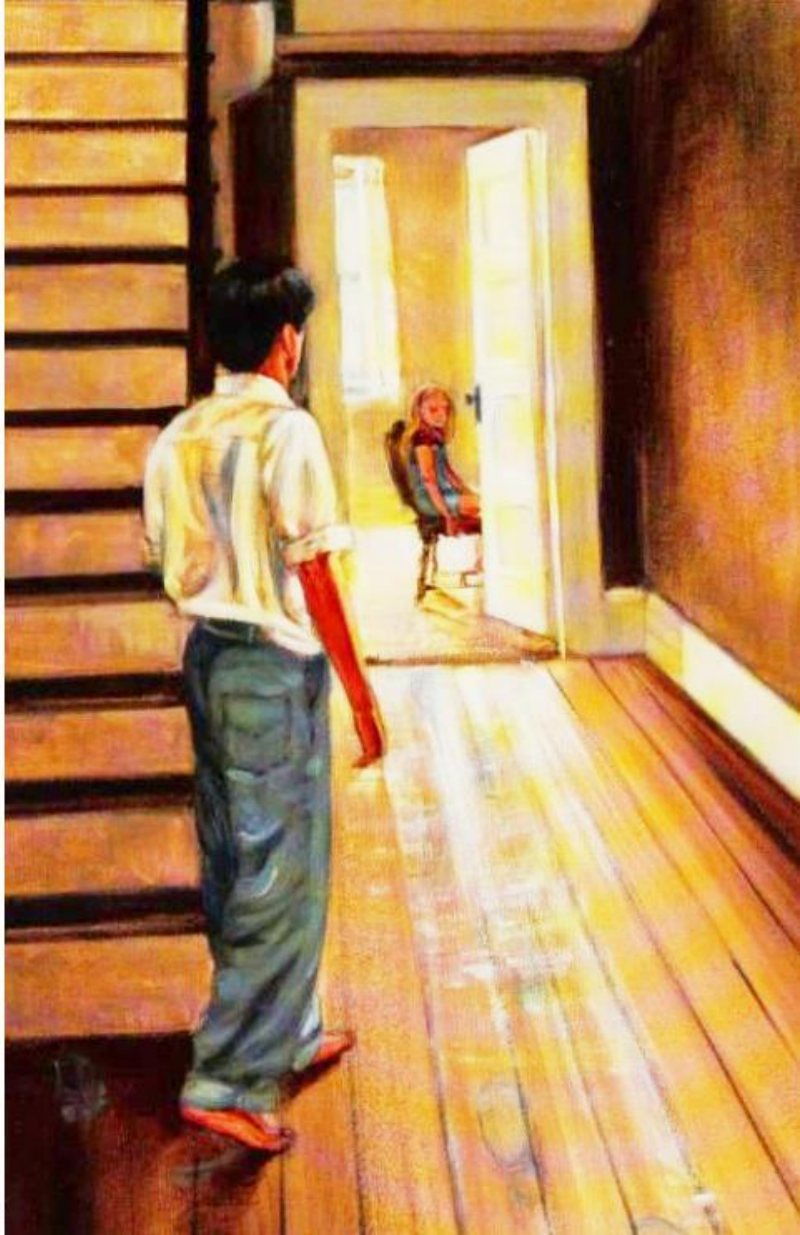
मिल्ड्रेड नाश्ता कर रही थी,

वो मेज पर पड़ी धूल में डिज़ाइन बना रही थी.

“गुडमॉर्निंग ऑरी,” उसने कहा.

“आज हम क्या करेंगे?”

“मुझे नहीं पता,” उसने कहा.

धूल के तूफ़ानों के कारण, आज शायद उन्हें

घर के अंदर ही रहना होगा.

ऑरी की माँ ने उसके लिए

मकई का कटोरा भर दलिया बनाया.

हर दिन, वे नाश्ते में मकई का दलिया ही खाते थे

वे रात के खाने में मकई की रोटी और बीन्स खाते थे,

और रात के खाने में दूध में भिगोकर मकई की रोटी खाते थे.

ऑरी, मकई की रोटी खाते-खाते थक गया था.

लेकिन वो काल बहुत कठिन था.

कुछ परिवारों के पास तो खाने को मकई भी नहीं थी.

"पूरी रात फिर से हवा चली,"

उसकी माँ ने आह भरी.

ऑरी को मां थकी हुई लगीं.

हवा उसे जगाए नहीं रख सकी.

लेकिन ऑरी को अपने दांतों में

जमी धूल से नफ़रत थी.

धूल उनके खाने और पीने के

पानी में घुस जाती थी.

धूल, कुर्सियों और मेज़ों

पर जम जाती थी.

धूल, फर्श पर ढेर में पड़ी रहती थी.

खाने के बाद, ऑरी ने अनाज का स्कूप लेकर

दरवाज़े से धूल हटाई.

मिल्ड्रेड ने अलमारी से धूल झाड़ी.

उसके बाद, ऑरी ने सभी खिड़कियाँ पोंछी.

चमकदार, नीले आसमान में

बाहर, सूरज चमक रहा था.

वो एक बेहतरीन दिन था!

हफ़्तों तक, धूल के बादल के पीछे

सूरज छिपा रहा था.

"क्या हम पिकनिक पर चलें?"

ऑरी ने पूछा.

"अगर कार चली, तो हम जा सकते हैं,"

उसकी माँ ने कहा.
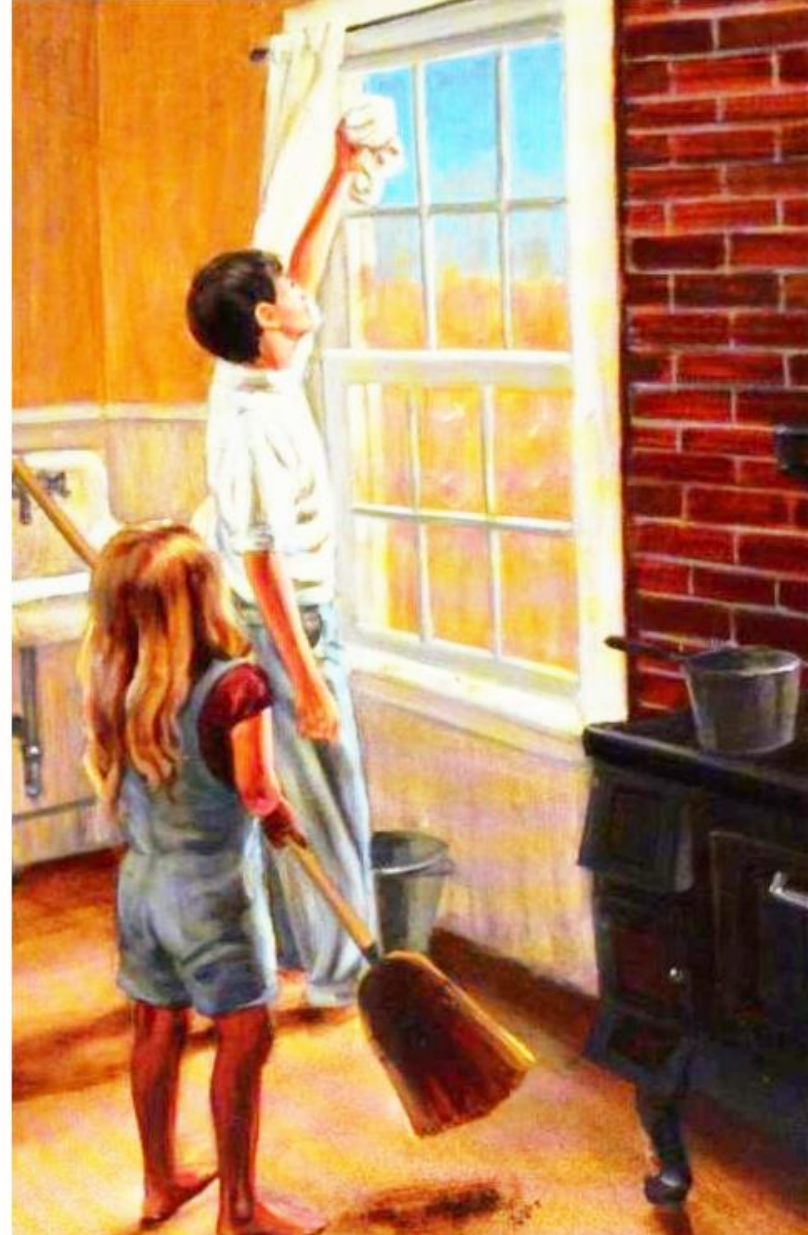
ऑरी बाहर भागा.

उसके सौतेले पिता खलिहान में थे,

वो अपनी कार को ठीक कर रहे थे.

"क्या यह स्टार्ट होगी?" ऑरी ने पूछा.

डैन पैटरसन ने अपना सिर हिलाया.

"स्थैतिक बिजली ने स्टार्टर को

लगभग बर्बाद कर दिया है," उन्होंने कहा.

धूल के तूफ़ानों के दौरान,

धूल के कण आपस में रगड़ खाते थे.

उनसे स्थैतिक बिजली पैदा होती थी.

बिजली से चार्ज की गई हवा से

खेतों में भुट्टे जल जाते थे.

उससे कार का इंजन भी खराब हो जाता था.

उसके सौतेले पिता ने अपना रिंच नीचे रख दिया .

"आज मैं नहीं जा पाऊँगा," उन्होंने कहा.

ऑरी निराश हुआ.

उसने अपनी माँ को

पर्दे और कालीनों को बाहर खींचते हुए देखा.

"ऑरी, आओ और हम कालीनों को पीटें!"

मां ने कहा.

"मिल्ड्रेड वो काम क्यों नहीं कर सकती?"

"क्योंकि वह केवल सात साल की है,"

ऑरी के सौतेले पिता ने कहा.

"और उसे धूल से होने वाला निमोनिया हो गया है."

पिछले वसंत में मिल्ड्रेड बीमार थी.

वह अपने फेफड़ों से धूल को

खांसकर नहीं निकाल पा रही थी.

तब उन्हें मिल्ड्रेड को

50 मील दूर डॉक्टर के पास ले जाना पड़ा.

"अब तुम 10 साल के हो गए हो,"

उसके सौतेले पिता ने कहा.

"तुम्हें ज़्यादा ज़िम्मेदारी सम्भालनी चाहिए."

ऑरी बहुत काम करते-करते थक गया था,

भले ही वह सबसे बड़ा था.
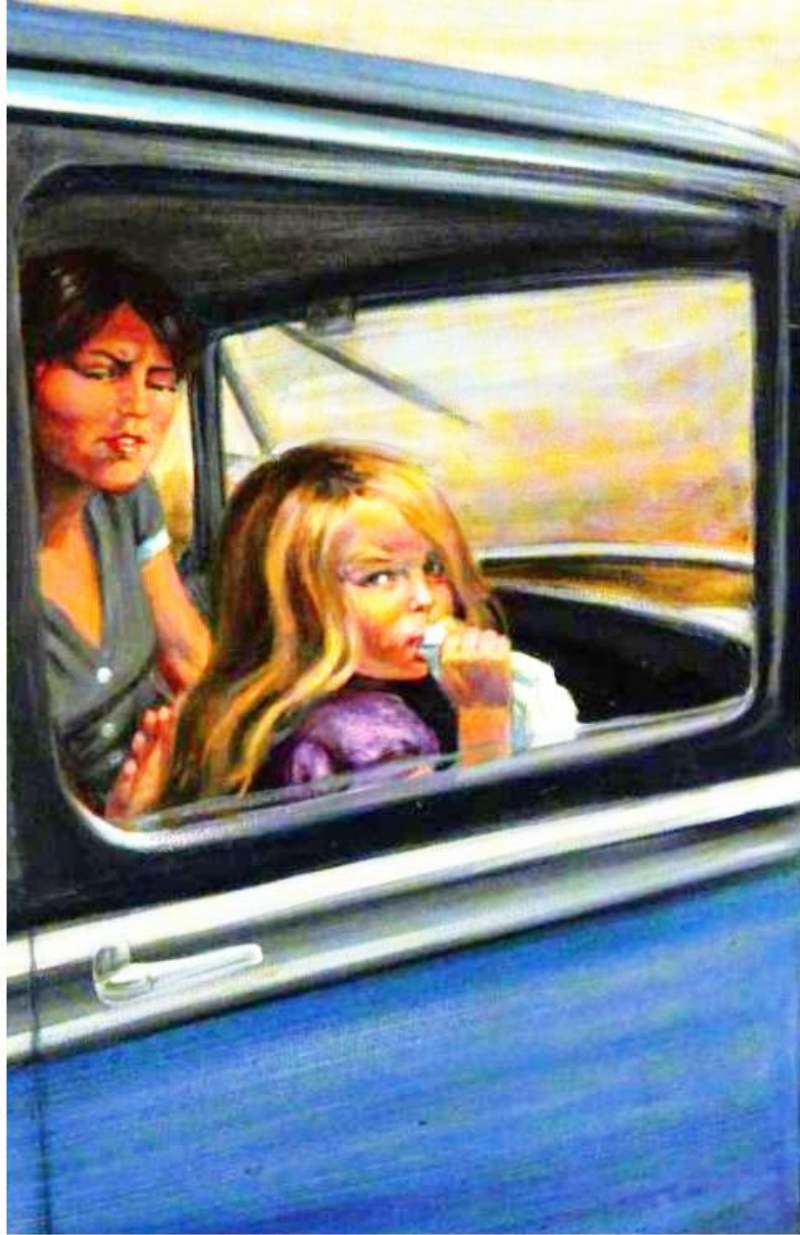
काम-काज के बाद, ऑरी को छुट्टी मिली.

"चलो हम तीरों की नोकों की तलाश करते हैं,"

उसने मिल्ड्रेड से कहा.

ऑरी की माँ ने उन्हें नैपकिन में लपेटकर

मकई की रोटी दी.

"ज़्यादा दूर मत जाना," मां ने कहा.

ऑरी का कुत्ता, आर्ची, भी उनके साथ गया.

वे बंजर खेतों से गुज़रे,

वहां मकई के कुछ बिखरे हुए डंठल थे.

ऊपरी से मिट्टी उड़ जाने के कारण,

ज़मीन, ईंट जैसी सख्त हो गई थी.

वहां भला कुछ कैसे उग सकता था?

ऑरी और मिल्ड्रेड जब तीरों की

नोकें तलाश कर रहे थे,

तो ऊपर से तेज़ धूप चमक रही थी.

थोड़ी देर बाद,

मिल्ड्रेड ने कहा, "मैं थक गई हूँ.

क्या हम घर जा सकते हैं?"

"अभी नहीं," ऑरी ने कहा.

भला उसे ऐसी बचकानी

सौतेली बहन के साथ क्यों रहना पड़ता है?

सौतेला भाई इतनी जल्दी

घर वापस नहीं जाना चाहता था.

वे खेत से दूर चले गए.

एक बार ऑरी रुक गया.

"वह देखो!" उसने कहा.

कांटेदार तार एक पेड़ पर लटका हुआ था.

उस तार से काले पंख बाहर निकल रहे थे.

"देखो, उस कौवे के घोंसले को," ऑरी ने कहा.

कौवों को भी मुश्किल समय का

सामना करना पड़ रहा था.
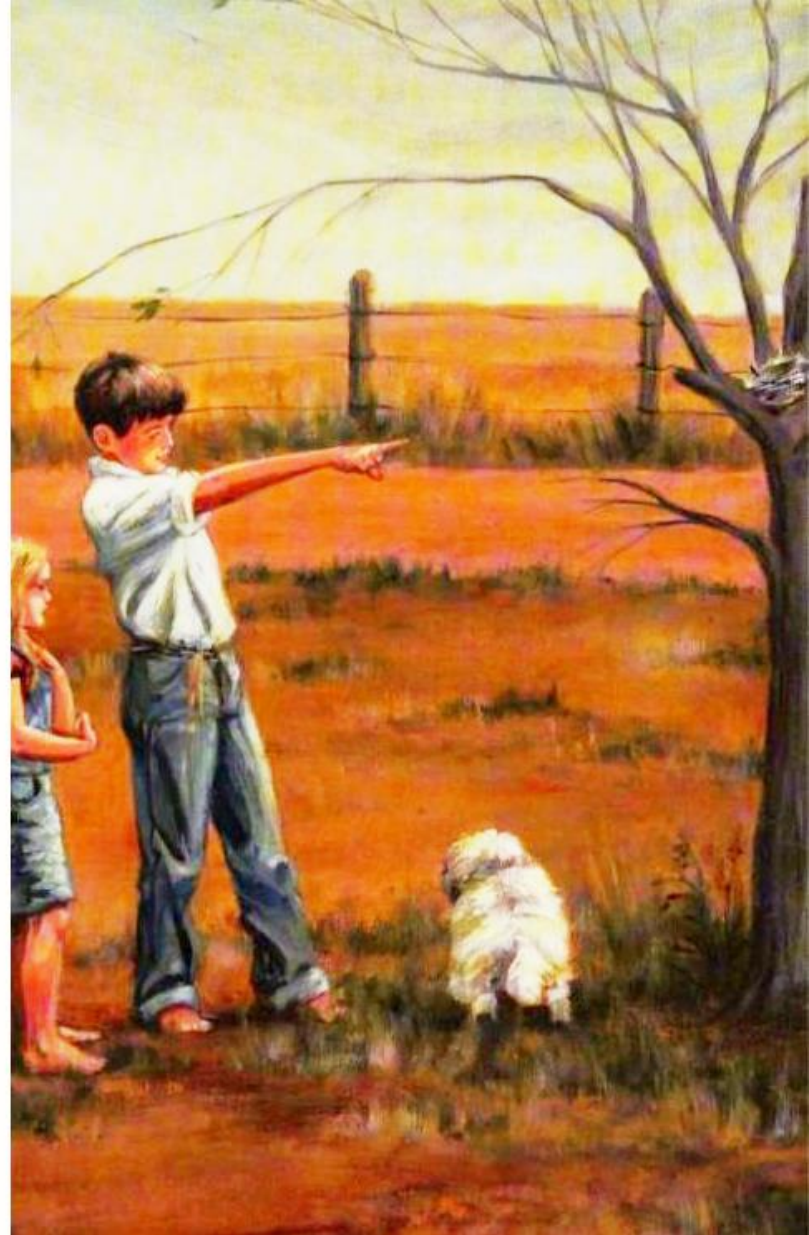
फिर उन्होंने मकई की रोटी खाई

और थोड़ी देर आराम किया.

"मुझे ठंड लग रही है," मिल्ड्रेड ने कहा.

"अब हम घर जा सकते हैं?"

ऑरी को भी ठंड लग रही थी.

तापमान तेज़ी से गिर रहा था.

अचानक, हज़ारों चहचहाते पक्षी

आसमान में ऊपर उड़ते हुए दिखाई दिए.

आर्ची भौंकने लगा.

पक्षी क्यों उड़ रहे थे?

ऑरी को आश्चर्य हुआ.

फिर उसे उसका कारण समझ में आया.
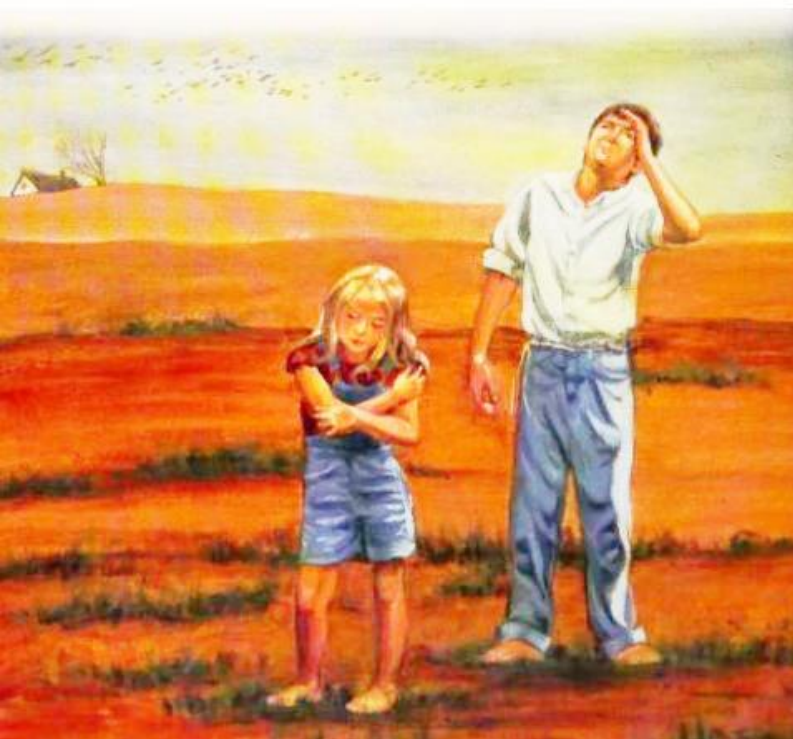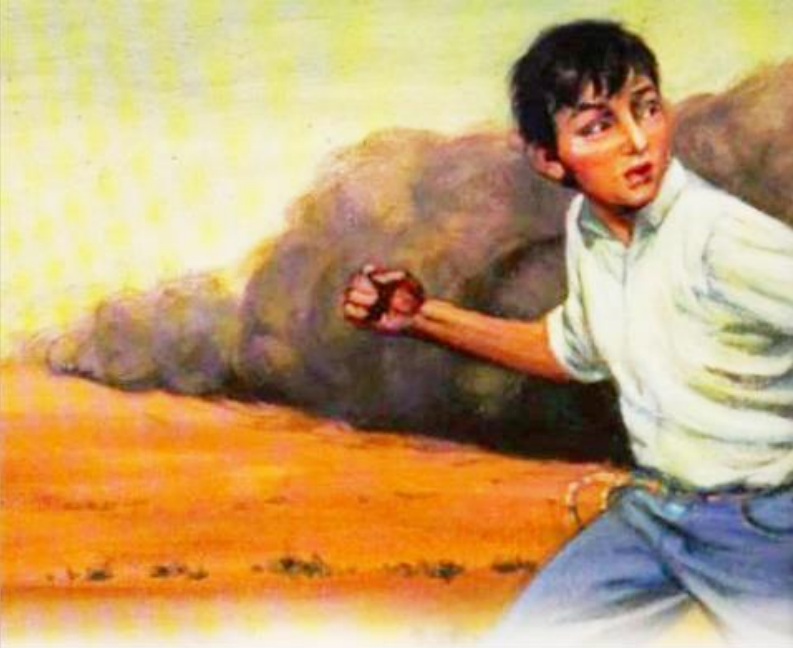
## 4:00 बजे

पश्चिमी आकाश में एक काला बादल छाया था.

ऑरी ने पहले भी "धूल के बादल" देखे थे,

लेकिन उसने ऐसा भयानक नजरा

पहले कभी नहीं देखा था.

कालेपन की दीवार जो

उनकी ओर दौड़ रही थी

उसने धरती को निगल लिया था.

ऑरी ने मिल्ड्रेड का हाथ पकड़ लिया.

"भागो!" वह चिल्लाया.

निकटतम घर बहुत दूर था.

वे कहाँ जा सकते थे?

काश वे घर से इतने दूर न होते.

आसमान रात जैसा काला हो गया.

धूल उनके पैरों और चेहरों पर चुभने लगी.

हवा ने उनके कपड़े फाड़ दिए.

धूल के गुबार ने उन्हें अंधा कर दिया.

ऑरी ने अपना रूमाल मिल्ड्रेड को दे दिया.

"अपना मुंह ढक लो," ऑरी चिल्लाया.

अगर वह फिर से बीमार पड़ गई तो क्या होगा?

फिर वो ऑरी की ही गलती होगी.

उसने बाड़ के बगल में एक खाई देखी.

ऑरी खाई में कूद गया,

उसने मिल्ड्रेड को अपने पीछे खींच लिया.

आर्ची भी खाई में कूद गया.

बाड़ के तारों में स्थैतिक बिजली नाच रही थी.

भयभीत होकर ऑरी ने मिल्ड्रेड

और आर्ची को अपने शरीर से ढक लिया.

धूल ने उसकी नाक को मिर्ची पाउडर जैसे जला दिया.

हवा उनके चारों ओर चीख रही थी.

मिल्ड्रेड रोने लगी.

ऑरी को डर था कि

कहीं वे मिट्टी में दब न जाएं.

उसने कहा, "यहाँ रहो."

"अपना सिर नीचे रखो."

फिर वह खाई के साथ-साथ रेंगते हुआ चला.

उसे आश्रय के रूप में उपयोग

करने के लिए कुछ तो चाहिए था.

हवा ने हर तरह की चीज़ें उड़ाई थीं

- बोर्ड, बाल्टियाँ,

और यहाँ तक कि एक बैंजो भी.

वे खाई में जाकर फंस गए थे.

ऑरी की उँगलियाँ किसी चिकनी चीज़ से टकराईं.

वो एक कार्डबोर्ड की एक शीट थी!

ऑरी उसे रोकने के लिए संघर्ष कर रहा था.

पर हवा उसे फाड़ने पर आमादा थी.

तब ऑरी को भ्रम हुआ.

मिल्ड्रेड के पास वापस जाने का

कौन सा सही रास्ता था?

क्या वह अभी भी खाई में ही था?

उसके चारों ओर की दुनिया

पूरी तरह से काली हवाओं

और चुभने वाली रेत से भरी थी.

घबराओ मत, उसने खुद से कहा.

क्योंकि मिल्ड्रेड की ज़िम्मेदारी उसके ऊपर थी.

उसे मिल्ड्रेड को ज़िंदा बाहर निकालना था.
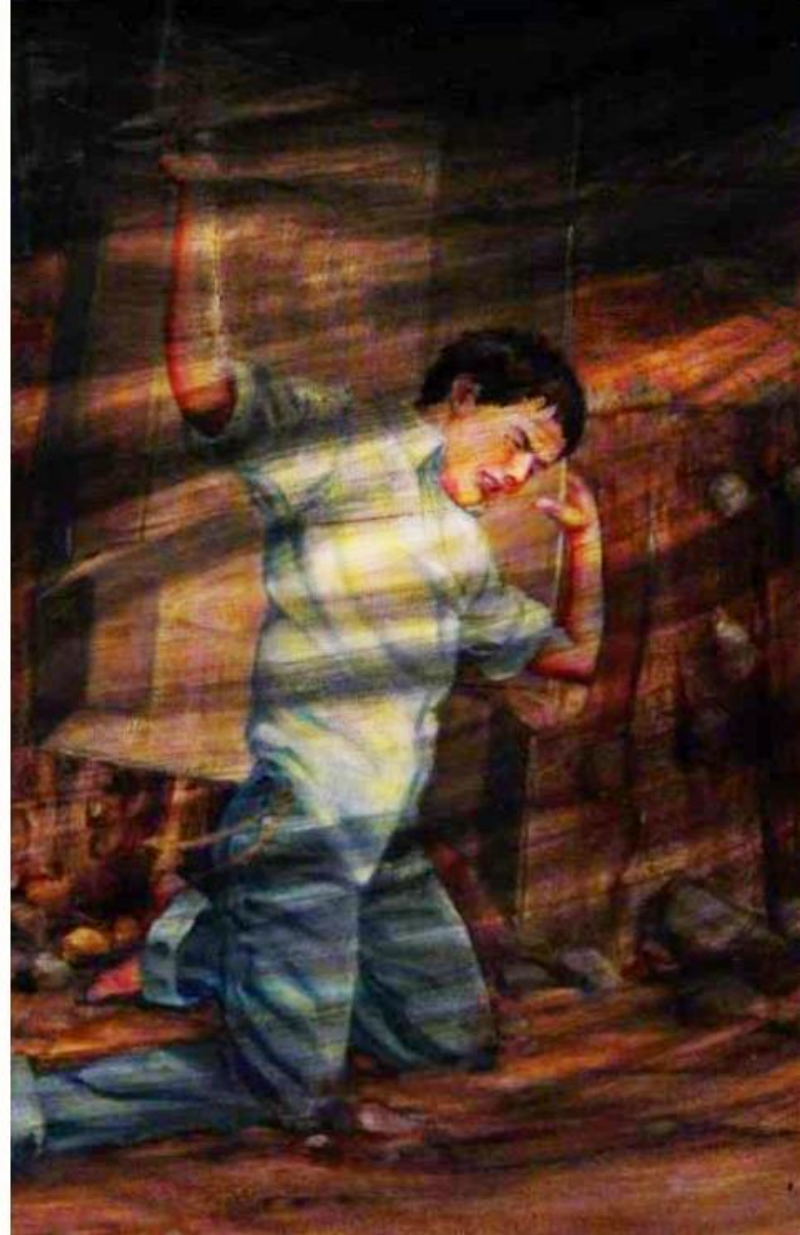
ऑरी फिर से रेंगने लगा.

कार्डबोर्ड उसके पैरों से टकराया.

वह धूल से ढकी एक गांठ से

ठोकर खाकर टकराया.

अपने हाथों से मिट्टी को हटाते हुए

वो चिल्लाया, "मिल्ड्रेड!"

गांठ हिलने लगी.

"ऑरी?"

मिल्ड्रेड आर्ची को गले लगा रही थी

और रो रही थी.

ऑरी ने कार्डबोर्ड को उनके सिर के ऊपर

तम्बू की तरह रखा.

हवा ने उसे खींचा.

उसने तब तक उसे पकड़ रखा

जब तक उसकी उंगलियाँ दर्द

नहीं करने लगीं.

तूफ़ान लगातार जारी रहा.

लेकिन वे अपने आश्रय से हिले नहीं.

आखिरकार, हवा की दहाड़ बंद हुई.

ऑरी ने कार्डबोर्ड की छत को धक्का दिया.

लेकिन कार्डबोर्ड बिलकुल भी नहीं हिला.

"मेरी मदद करो," ऑरी चिल्लाया.

उसने और मिल्ड्रेड ने जितना हो सका,

उतनी जोर से धक्का दिया.

उससे कार्डबोर्ड इतना खिसका

कि ऑरी अपना सिर बाहर निकाल सका.

वह हांफने लगा.

बाहर की दुनिया काली रेत से ढकी हुई थी!

रेत के ढेरों ने बाड़ को दबा दिया था.

एक अजीब नारंगी चमक

क्षितिज पर लटकी हुई थी.

ऑरी ने रेत को तब तक खोदा
जब तक वे मुक्त नहीं हो गए.
उनके चेहरे काले पड़ गए थे.
वे बाड़ के किनारे-किनारे चले.
ऑरी जानता था कि बाड़ उन्हें
किसी घर या खलिहान तक ज़रूर ले जाएगी.

कभी-कभी बाड़ गायब हो जाती थी.
फिर ऑरी तब तक खुरचता
जब तक उसे बाड़ के
खंभों के शीर्ष नहीं मिल जाते.
नारंगी रोशनी फीकी पड़ गई थी.
रात ढल रही थी.
मिल्ड्रेड थक कर लड़खड़ा रही थी.
यहां तक कि आर्ची को भी परेशानी हो रही थी.

फिर ऑरी ने एक कूबड़दार आकृति देखी.

एक घर?

वो धूल से ढकी इमारत

एक शेड निकली.

"हम आज रात यहीं रहेंगे," उसने कहा.

"मुझे ठंड लग और भूख लगी है," मिल्ड्रेड ने कहा.

शेड में खाने के लिए कुछ भी नहीं था.

और पीने के लिए भी कुछ नहीं था.

वे दोनों बहुत प्यासे थे.

ऑरी ने सोचा कि मिल्ड्रेड रोएगी,

लेकिन वह रोई नहीं.

उसे कुछ बोरे मिले.

उसने एक बोरी मिल्ड्रेड के

चारों ओर लपेट दी.

थोड़ी देर बाद, वह सो गई.

दूर से भेड़ियों की आवाज़ें आ रही थीं.

ऑरी बहुत थक गया था.

वह भी सो गया.
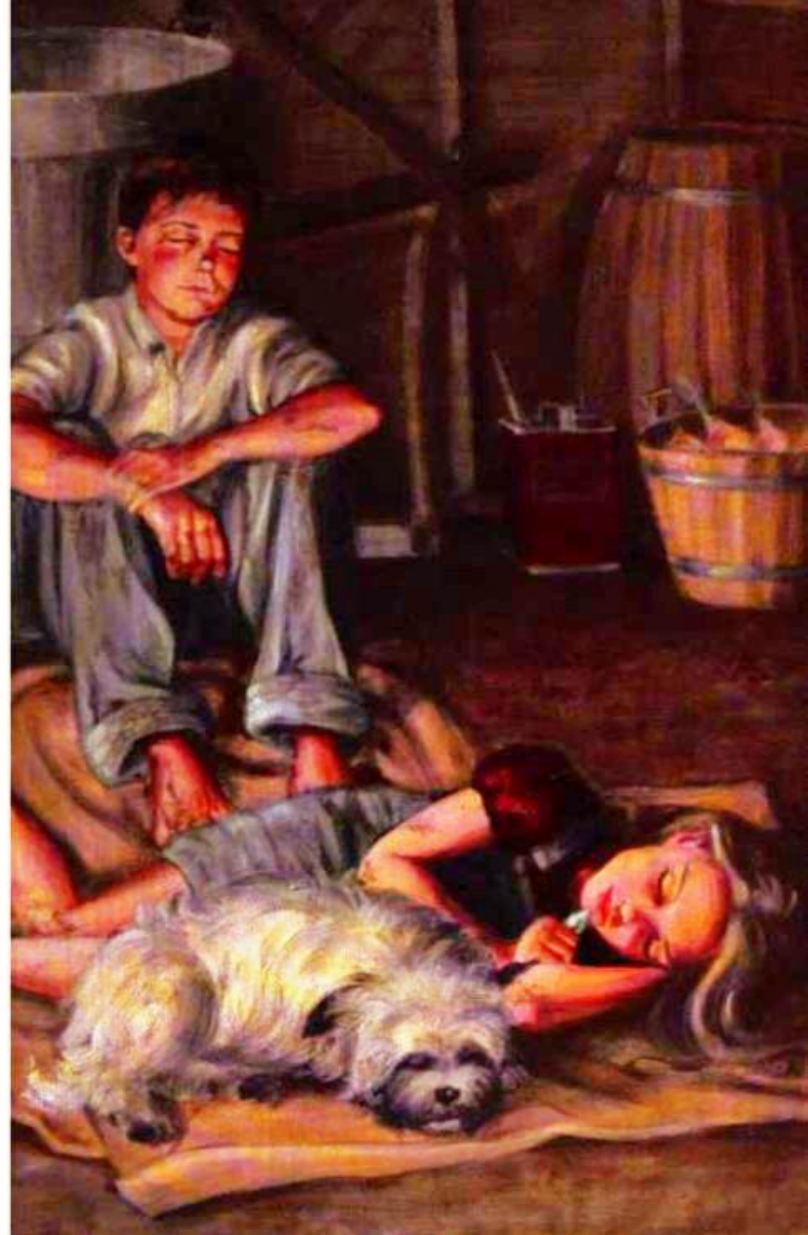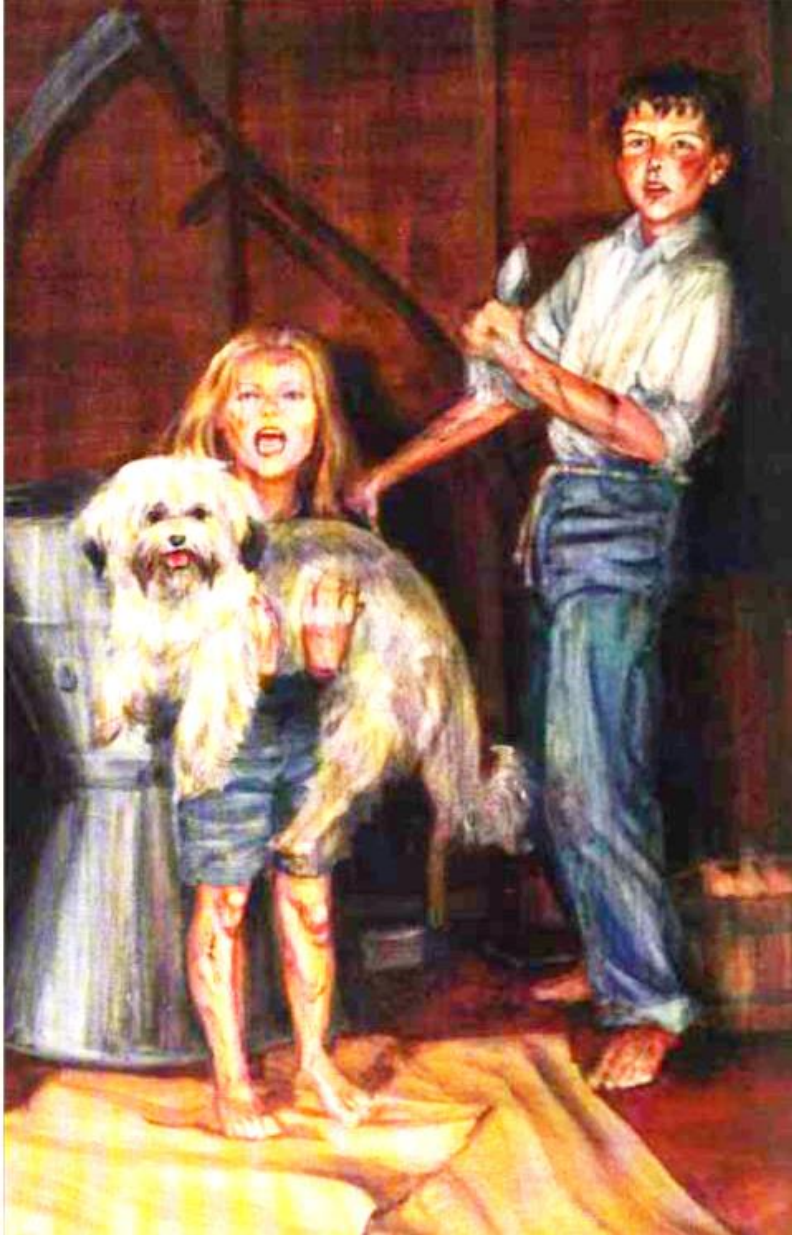
**अप्रैल 15, 1935**

**7:30 सुबह**

"ऑरी! मिल्ड्रेड!" यह कोई सपना नहीं था.

दूर से कोई आवाज़ उन्हें बुला रही थी!

ऑरी दरवाज़े की तरफ़ भागा,

लेकिन बहते रेत ने उसे रोक दिया.

"यहाँ!" ऑरी ने कर्कश आवाज़ में कहा.

"हम यहाँ हैं!" उसका मुँह बहुत सूखा था.

कोई भी उसकी आवाज़ को नहीं सुन पाता!

"क्या तुम चिल्ला सकती हो?"

उसने मिल्ड्रेड से पूछा.

मिल्ड्रेड ने भी कोशिश की.

लेकिन वह सिर्फ़ फुसफुसाकर ही बोल पाई.

फिर उसने आर्ची को उठाया.

"बोलो, बेटा!" उसने फुसफुसाकर कहा.

आर्ची ज़ोर से भौंका.

"यह तुमने बहुत अच्छा किया!"

ऑरी ने कर्कश आवाज़ में कहा.

कुछ मिनट बाद, उन्होंने दरवाजे से

रेत खुरचने की आवाज़ सुनी.

तभी डैन पैटरसन अंदर घुसे.

"क्या तुम ठीक हो?" उन्होंने कहा.

"हम ठीक हैं," ऑरी ने कहा.

"ऑरी ने मिट्टी और धूल को बाहर

रखने के लिए छत बनाई," मिल्ड्रेड ने कहा.

"फिर उसे यह शेड मिला."

"लेकिन मिल्ड्रेड ने आर्ची से कहा कि

वो आपको बताए कि हम कहाँ हैं," ऑरी ने कहा.
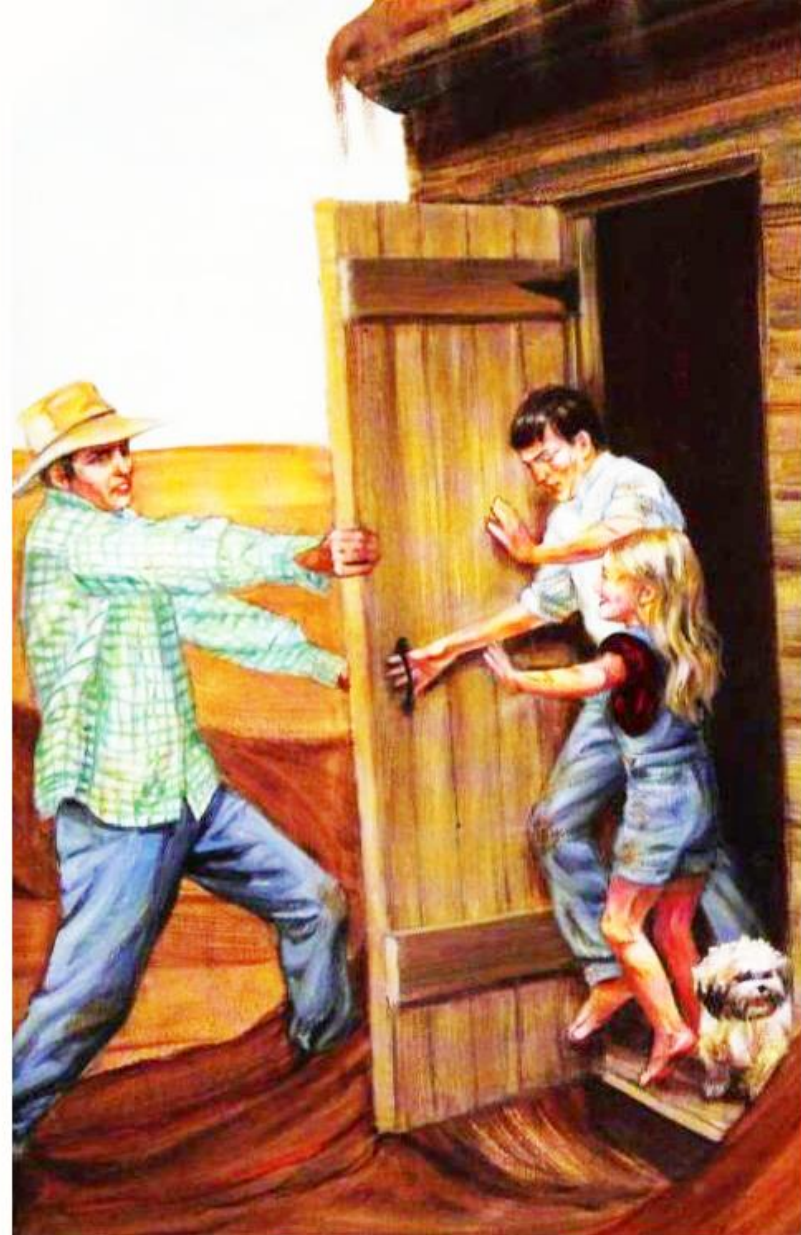
"तुम्हें घर से इतनी दूर नहीं

जाना चाहिए था,"

उसके सौतेले पिता ने डांटा.

"अब से मैं और अधिक जिम्मेदार बनूँगा,"

ऑरी ने कहा.

"उसे धूल के तूफानों की ताकत का पता चल गया था.

उसने यह भी समझा कि मिल्ड्रेड कोई बच्ची नहीं थी!

"चलो घर चलते हैं,"

उसके सौतेले पिता ने कहा.

"तुम दोनों को नहाने की ज़रूरत है!"

"और खाने की भी!" मिल्ड्रेड ने कहा.

"मुझे भूख लगी है!"

ऑरी भी भूखा था.

उसकी माँ के हाथ की मक्के की रोटी

बहुत स्वादिष्ट होगी!

यह चित्र स्प्रिंगफील्ड, कोलोराडो में 1904 में आए धूल भरे तूफान को दिखाता है.

## उपसंहार

ब्लैक संडे के तूफ़ान ने फ़सलों को बर्बाद कर दिया और पशुधन को मार डाला. उसकी हवाएँ 8,000 फ़ीट ऊँचे धूल के बादल में 50 मील प्रति घंटे की रफ़्तार से चलीं. अगले दिन, 15 अप्रैल, 1935 को, रिपोर्टर रॉबर्ट गीगर ने तूफ़ान के बारे में एक अख़बार में कहानी लिखी. इसमें उन्होंने दक्षिणी मैदानों को "डस्ट बाउल" के नाम से संदर्भित किया. यह नाम लोगों के दिलों में बस गया.

ब्लैक संडे ने कई किसान परिवारों को वहाँ से चले जाने के लिए प्रेरित किया. वे ओक्लाहोमा, टेक्सास, अर्कांसस, नेब्रास्का और कैनसस से आए थे. फिर लगभग 3,500,000 लोगों ने अपना सामान कारों और ट्रकों में पैक किया और पश्चिम की ओर चल पड़े. कई परिवार बेहतर जीवन की उम्मीद में कैलिफ़ोर्निया चले गए.

कठिनाइयों के बावजूद, ज़्यादातर लोग अपने खेतों पर ही बसे रहे. कांग्रेस ने 1935 में मृदा संरक्षण और घरेलू आबंटन अधिनियम पारित किया. सरकार ने मिट्टी को उड़ने से बचाने के लिए किसानों को नई जुताई विधियों का अभ्यास करने के लिए पैसा दिया. उन्होंने मिट्टी के कटाव को रोकने के लिए पेड़ भी लगाए.

1939 की शरद ऋतु में, आखिरकार बारिश हुई. तब जाकर नौ साल का सूखा खत्म हुआ.